# HER LAND HER RIGHTS

**17 JUNE 2023**

***"Without the participation of women, desertification and drought cannot be stopped"***

**Prepared by:** Dr Dharmender Nadimetla, Program Director GBS

With reference to World Desertification and Drought Prevention Day Gram Bharati Samiti(GBS) organized a workshop at Gandhivan Jaipur on the theme prescribed by UNCCD, **'Her land, Her rights'**.A total of 50 women and men participated in the event. The event was organized at Gandhivan, is an environment prototype developed by Gram Bharati Samiti situated in the Aravalli range in the form of a dense forest in village Todaldi Tehsil Jamwaramgarh.

***Kusum Lata Jain with other dignitaries and participants at Gandhivan, Jaipur India***

Kusum Lata Jain, secretary of Gram Bharati Samiti, expressed that the whole world is worried about the environment. The quality, fertility and productivity of the soil are decreasing due to the use of chemical fertilizers in large quantities. The soil is getting eroded. Many diseases like cancer, infertility, heart attack are happening in the people of chemical fertilizers.

The average age of humans is decreasing. In future there will be nothing left to eat due to soil degradation. It will be difficult for the coming generations to live. Soil degradation i.e. desertification and drought are not good signs. Hence it is important to focus on preventive measures and take initiations related to the protection of land by actively involving women in major. She also opined that women empowerment is the key factor in this regard. Her role is an important and major stake in desertification and drought due to inner and gifted abilities she possess.

***Pandit Suresh facilitating women on Her Land, Her Rights***

Experts of Agro Ecology Pandit Suresh, Sultanji, Ramveer Singh and Birbal Gurjar Todaldi explained about desertification. They narrated that Desertification is a process of degradation of land, in which the land of arid, semi-arid, waterless semi-humid areas is converted into desert due to various reasons including climate change and human activities. Therefore, there is a decrease in the production of the land and its destruction.

GBS office secretary Ramchandra Saini opined that farmers need to migrate to organic farming. Else great amount of destruction will be seen in the near future due to chemicals and fertilizers. Eating healthy and hygienic food will protect from all sorts of diseases.

***Sapling plantation activity as part of the captioned program at Gandhivan,Jaipur Rajasthan India***

All the members took an oath to empower women on the land desertification and drought and the meeting was concluded.

**ANNEXURE-I**

## Press Clippings



# महिलाओं की भागीदारी के बिना मरुस्थलीकरण और सूखा नहीं रोक सकतेः कुसुम लता जैन

गौरव महिमा

**भानपुर कलां, (बीएल कांकरेलिया) ।** विश्व मरुस्थलीकरण और सूखा रोकथाम दिवस के उपलक्ष्य में शनिवार को ग्राम भारती समिति के तत्वावधान में युएनसीसीडी की थीम 'ल्ही१ 'ल्ला, ल्ही१ ४ँ३२' के अनुसार कार्यशाला का आयोजन गांधीवन जयपुर में किया गया। जिसमें कुल 50 महिला एवं पुरुषों ने भाग लिया। गांधीवन ग्राम भारती समिति द्वारा विकसित पर्यावरण केंद्र है। जो अरावली पर्वतमाला में ग्राम टोड़ालड़ी तहसील जमवारामगढ़ में एक घने जंगल के रूप में अवस्थित है। ग्राम भारती समिति की सचिव कुसुम लता जैन ने बताया कि पुरा विश्व पर्यावरण को लेकर चिंतित है। मिट्टी की गुणवता, उर्वरकता तथा उत्पादकता कम हो रही है जिसका कारण बहुत अधिक मात्रा में रासायनिक खादों का प्रयोग करना है। मिट्टी बजड़ हो रही है। रासायनिक खादों के लोगों में कैंसर, बांझपन, हार्ट अटेक जैसी कई बीमारियां हो रही है। मानव की ओसत आयु कम हो रही है। भविष्य में मिट्टी खराब होने के कारण खाने के लिए कुछ नहीं बचेगा। आने वाली पीढ़ी का जीना मुश्किल हो जायेगा।

### मिट्टी का खराब होना अथार्थ मरुस्थलीकरण और सुखा होना अच्छे संकेत नहीं है

एग्रो इकोलॉजी के जानकार पडित सुरेश, सुलतान, रामवीर सिंह तथा बीरबल गुर्जर टोड़ालड़ी आदि ने बताया कि मरुस्थलीकरण क्या है?

मरुस्थलीकरण जमीन के खराब होकर अनुपजाऊ हो जाने की ऐसी प्रक्रिया होती है, जिसमें जलवायु परिवर्तन तथा मानवीय गतिविधियों समेत अन्य कई कारणों से शुष्क, अर्द्ध-शुष्क निर्जल अर्द्ध-नम इलाकों की जमीन रेगिस्तान में बदल जाती है। अतः जमीन की उत्पादन में कमी और ह्रास होता है। संस्था के सचिव रामचंद्र सैनी ने कहा कि हमें जैविक खेती पर ही आना होगा, नहीं तो हमारा विनाश निश्चत है। अपने दैनिक खान-पान को बदलना पड़ेगा। शुद्ध खाएंगे तो ही बीमारियों से बचेंगे। आप सभी को रसायनिक खादों का उपयोग नहीं करना चाहिए। इसकी जगह जैविक खाद का उपयोग करना चाहिए।



कर गिर गई। बाद में चिल्लाई लेकिन तब तक वे भाग चुके थे। से परेशान होकर खुदकुशी करने के बारे में बताया। हालांकि, देर शाम जाने तक पुलिस में मामला दर्ज नहीं हुआ। कब्जे में लिया। शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंपा।

# महिलाओं की भागीदारी के बिना मरुस्थलीकरण और सूखा नहीं रोक सकतेः कुसुम लता

**जमवारामगढ़ (रतनलाल गुर्जर/ मृदुल पत्रिका)।** ग्राम भारती समिति गांधी वन टोडालडी में शनिवार को विश्व मरुस्थलीकरण और सूखा रोकथाम दिवस के उपलक्ष्य में ग्राम भारती समिति के तत्वावधान में युएनसीसीडी की थीम हर लैण्ड्स, हर राइट्स के अनुसार कार्यशाला का आयोजन गांधीवन जयपुर में किया गया। जिसमें कुल 50 महिला एवं पुरुषों ने भाग लिया।

गांधीवन ग्राम भारती समिति द्वारा विकसित पर्यावरण केंद्र है। जो अरावली पर्वतमालाओं की श्रृंखलाओं में ग्राम टोड़ालड़ी तहसील जमवारामगढ़ में एक घने जंगल के रूप में स्थित है।

ग्राम भारती समिति की सचिव कुसुम लता जैन ने बताया कि विश्व पर्यावरण को लेकर चिंतित है। मिट्टी की गुणवता, उर्वरकता तथा उत्पादकता कम हो रही है जिसका कारण बहुत अधिक मात्रा में रासायनिक खादों का प्रयोग करना है। मिट्टी बजर हो रही है। रासायनिक खादों के लोगों में कैंसर, बांझपन, हार्ट अटैक जैसी कई बीमारियां हो रही हैं। मानव की औसत आयु कम हो रही है। भविष्य में मिट्टी खराब होने के कारण खाने के लिए कुछ नहीं बचेगा। आने वाली पीढ़ी का जीना मुश्किल हो जायेगा। मिट्टी का खराब होना अर्थात मरुस्थलीकरण और सूखा होना अच्छे संकेत नहीं है।

एग्रो इकोलॉजी के जानकार पंडित सुरेश, सुलतान, रामवीर सिंह तथा बीरबल गुर्जर टोड़ालड़ी आदि ने बताया कि मरुस्थलीकरण क्या है? मरुस्थलीकरण जमीन के खराब होकर अनुपजाऊ हो जाने की ऐसी प्रक्रिया होती है जिसमें जलवायु परिवर्तन तथा मानवीय गतिविधियों समेत अन्य कई कारणों से शुष्क, अर्द्ध-शुष्क निर्जल अर्द्ध-नम इलाकों की जमीन रेगिस्तान में बदल जाती है। जमीन की उत्पादन में कमी और ह्रास होता है।

संस्था के सचिव रामचंद्र सैनी ने कहा कि हमें जैविक खेती पर ही आना होगा नहीं तो हमारा विनाश निश्चत है।

अपने दैनिक खान-पान को बदलना पड़ेगा। शुद्ध खाएंगे तो ही बीमारियों से बचेंगे।आप सभी को रसायनिक खादों का उपयोग नहीं करना चाहिए। इसकी जगह जैविक खाद का उपयोग करना चाहिए।

दैनिक भास्कर

2023-06-18
जयपुर जिला (6



# रासायनिक खादों का प्रयोग करने से मिट्टी की गुणवता, उर्वरकता की हो रही है कमी

कार्यालय संवाददाता |शाहपुरा /धौला

विश्व मरुस्थलीकरण और सूखा रोकथाम दिवस के उपलक्ष्य में ग्राम भारती समिति के तत्वावधान में यूएनसीसी की थीम हर लैंड हर राइट को लेकर टोडालड़ी स्थित गांधी वन कार्यशाला संस्था की सचिव कुसुम जैन की अध्यक्षता में आयोजित हुई। जिसमें क्षेत्र की 50 से ज्यादा महिलाओं ने भाग लिया।

ग्राम भारती समिति की सचिव कुसुम लता जैन ने कहां कि पुरा विश्व पर्यावरण को लेकर चिंतित है। मिट्टी की गुणवता, उर्वरकता तथा उत्पादकता कम हो रही है तथा कई जगह बंजर हो रही है जिसका कारण बहुत अधिक मात्रा में रासायनिक खादों का प्रयोग करना है। उन्होंने कहा कि रासायनिक खादों के लोगों में कैंसर, बांझपन, हार्ट अटेक जैसी कई बीमारियां हो रही है। मानव की औसत आयु कम हो रही है। जैन ने कहा कि भविष्य में मिट्टी खराब होने के कारण खाने के लिए कुछ नहीं बचेगा। आने वाली पीढ़ी का जीना मुश्किल हो जायेगा। जैन ने कहा कि मिट्टी का खराब होना अर्थात् मरुस्थलीकरण और सुखा होना अच्छे संकेत नहीं है । इस अवसर पर एग्रो इकोलॉजी के जानकार पंडित सुरेश, सुलतान कुमार , रामवीर सिंह तथा बीरबल गुर्जर टोड़ालड़ी भी संबोधित करते हुए कहा कि मरुस्थलीकरण जमीन के खराब होकर अनुपजाऊ हो जाने की ऐसी प्रक्रिया होती है, जिसमें जलवायु परिवर्तन तथा मानवीय गतिविधियों समेत अन्य कई कारणों से शुष्क, अर्द्ध-शुष्क निर्जल अर्द्ध-नम इलाकों की जमीन रेगिस्तान में बदल जाती है। अतः जमीन की उत्पादन में कमी और ह्रास होता है। इस अवसर पर कई लोग मौजूद रहे।

संस्था के सचिव रामचंद्र सैनी ने कहा कि हमें जैविक खेती पर ही आना होगा नहीं तो हमारा विनाश निश्चत है । अपने दैनिक खान-पान को बदलना पड़ेगा । शुद्ध खाएंगे तो ही बीमारियों से बचेंगे। आप सभी को रसायनिक खादों का उपयोग नहीं करना चाहिए। इसकी जगह जैविक खाद का उपयोग करना चाहिए। इस दौरान जागरूकता रैली भी निकाली गई।

# महिलाओं की भागीदारी के बिना मरुस्थलीकरण और सूखा नहीं रोक सकते

@ राजस्थान दर्शन

**जमवारामगढ़।** विश्व मरुस्थलीकरण और सूखा रोकथाम दिवस के उपलक्ष्य में ग्राम भारती समिति के तत्वावधान में युएनसीसीडी की थीम Her land, Her rights के अनुसार कार्यशाला का आयोजन गांधीवन जयपुर में किया गया। जिसमे कुल 50 महिला एवं पुरुषों ने भाग लिया। गांधीवन ग्राम भारती समिति द्वारा विकसित पर्यावरण केंद्र है । जो अरावली पर्वतमाला में ग्राम टोड़ालड़ी तहसील जमवारामगढ़ में एक घने जंगल के रूप में अवस्थित है। ग्राम भारती समिति की सचिव कुसुम लता जैन ने बताया कि पुरा विश्व पर्यावरण को लेकर चिंतित है । मिट्टी की गुणवता, उर्वरकता तथा उत्पादकता कम हो रही है जिसका कारण बहुत अधिक मात्रा में रासायनिक खादों का प्रयोग करना है । मिट्टी बजड़ हो रही है। रासायनिक खादों के लोगों में कैंसर, बांझपन, हार्ट अटेक जैसी कई बीमारियां हो रही है। मानव की औसत आयु कम हो रही है। भविष्य में मिट्टी खराब होने के कारण खाने के लिए कुछ नहीं बचेगा। आने वाली पीढ़ी का जीना मुश्किल हो जायेगा। मिट्टी का खराब होना अर्थात् मरुस्थलीकरण और सुखा होना अच्छे संकेत नहीं है । एग्रो इकोलॉजी के जानकार पंडित सुरेश, सुलतान जी, रामवीर सिंह तथा बीरबल गुर्जर टोड़ालड़ी आदि ने बताया कि - मरुस्थलीकरण क्या है? मरुस्थलीकरण जमीन के खराब होकर अनुपजाऊ हो जाने की ऐसी प्रक्रिया होती है, जिसमें जलवायु परिवर्तन तथा मानवीय गतिविधियों समेत अन्य कई कारणों से शुष्क, अर्द्ध-शुष्क निर्जल अर्द्ध-नम इलाकों की जमीन रेगिस्तान में बदल जाती है। अतः जमीन की उत्पादन में कमी और ह्रास होता है। संस्था के सचिव रामचंद्र सैनी ने कहा कि हमें जैविक खेती पर ही आना होगा नहीं तो हमारा विनाश निश्चत है । अपने दैनिक खान-पान को बदलना पड़ेगा । शुद्ध खाएंगे तो ही बीमारियों से बचेंगे। आप सभी को रसायनिक खादों का उपयोग नहीं करना चाहिए। इसकी जगह जैविक खाद का उपयोग करना चाहिए।

# महिलाओं की भागीदारी के बिना मरुस्थलीकरण व सूखा नहीं रोक सकते

खबरों की दुनिया

**जमवारामगढ़ (वसीम अकरम)।** विश्व मरुस्थलीकरण और सूखा रोकथाम दिवस के उपलक्ष्य में शनिवार को ग्राम भारती समिति के तत्वावधान में युएनसीसीडी की थीम 'Her land, Her rights' के अनुसार कार्यशाला का आयोजन गांधीवन में किया गया। जिसमे कुल 50 महिला एवं पुरुषों ने भाग लिया।

गांधीवन ग्राम भारती समिति द्वारा विकसित पर्यावरण केंद्र है । जो अरावली पर्वतमाला में ग्राम टोड़ालड़ी तहसील जमवारामगढ़ में एक घने जंगल के रूप में अवस्थित है।ग्राम भारती समिति की सचिव कुसुम लता जैन ने बताया कि विश्व पर्यावरण को लेकर चिंतित है । मिट्टी की गुणवता, उर्वरकता तथा उत्पादकता कम हो रही है जिसका कारण बहुत अधिक मात्रा में रासायनिक खादों का प्रयोग करना है। मिट्टी बंजड़ हो रही है। रासायनिक खादों के लोगों में कैंसर, बांझपन, हार्ट अटेक जैसी कई बीमारियां हो रही है। मानव की ओसत आयु कम हो रही है। भविष्य में मिट्टी खराब होने के कारण खाने के लिए कुछ नहीं बचेगा। आने वाली पीढ़ी का जीना मुश्किल हो जायेगा।

**मिट्टी का खराब होना अर्थार्थ मरुस्थलीकरण और सुखा होना अच्छे संकेत नहीं है :** एग्रो इकोलॉजी के जानकार पडित सुरेश, सुलतान, रामवीर सिंह तथा बीरबल गुर्जर टोड़ालड़ी आदि ने बताया कि -

मरुस्थलीकरण क्या है?

मरुस्थलीकरण जमीन के खराब होकर अनुपजाऊ हो जाने की ऐसी प्रक्रिया होती है, जिसमें जलवायु परिवर्तन तथा मानवीय गतिविधियों समेत अन्य कई कारणों से शुष्क, अर्द्ध-शुष्क निर्जल अर्द्ध-नम इलाकों की जमीन रेगिस्तान में बदल जाती है। अतः जमीन की उत्पादन में कमी और ह्रास होता है। संस्था के सचिव रामचंद्र सैनी ने कहा कि हमें जैविक खेती पर ही आना होगा नहीं तो हमारा विनाश निश्चत है । अपने दैनिक खान-पान को बदलना पड़ेगा । शुद्ध खाएंगे तो ही बीमारियों से बचेंगे। आप सभी को रसायनिक खादों का उपयोग नहीं करना चाहिए। इसकी जगह जैविक खाद का उपयोग करना चाहिए।

**********